आदिवासी फिल्म महोत्सव में लोक कला पर हुआ विमर्श

रांची. आइआइएम रांची में शनिवार को आदिवासी फिल्म महोत्सव 'समुदाय के साथ' का आगाज हुआ. महोत्सव का आयोजन टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक शैली में आदिवासी नृत्य-संगीत के साथ हुई. निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि फिल्म महोत्सव का उद्देश्य समाज के बदलते परिदृश्य से और पूर्व में हुई घटनाओं से लोगों को परिचय कराना है. जिससे परिस्थिति को समझकर लोग सामुदायिक एकता को बढ़ावा दे सकेंगे. फिल्म महोत्सव के पहले दिन तीन डॉक्यूमेंट्री फिल्म - नाची से बाची, सृष्टिकथा और गाड़ी लोहरदगा मेल की स्क्रीनिंग हुई. संवाद कार्यक्रम में अखरा कम्युनिकेशन के फिल्ममेकर मेघनाथ और बीजू टोप्पो ने फिल्म से जुड़ी विशेष बातों पर चर्चा की. मेघनाथ ने बताया कि नाची से बाची शिक्षाविद पद्मश्री डॉ रामदयाल मुंडा पर बनायी गयी थी, जिसमें उन्हें नायक के रूप में दिखाया गया है. उन्होंने डॉ मुंडा के सामाजिक सहयोग पर अपनी बातें रखी. इसके अलावा उन्होंने पैसेंजर ट्रेन लोहरदगा मेल, जो 1907 से 2004 तक चलने के बाद बंद कर दी गयी थी, पर अपने विचार दिये. बताया कि डॉक्यमेंट्री फिल्म ट्रेन के बंद होने से प्रभावित होने वाली व्यवस्था पर कटाक्ष करती थी, जिसके बाद इस ट्रेन को दोबारा शुरू किया गया.

Prabhat Khabar, 27.08.2023, Pg. 9